विक्रम संवत 2081
रविवार, 3 फरवरी 2025
वर्ष 6, अंक 74, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार
बरेली
एक सम्पूर्ण अखबार

PAGE NO, 07, MIDDLE

रिद्धिमा में संगीतमय नाटक चित्रा का किया मंचन

बरेली, अमृत विचार: रूबरू थिएटर नई दिल्ली ने एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को रवींद्रनाथ टैगोर लिखित संगीतमय नाटक चित्रा का मंचन किया। नाटक का निर्देशन काजल सूरी और नाटकीय रूपांतरण विक्रम शर्मा ने किया।

नाटक में महाभारत की एक प्रमुख पात्र चित्रांगदा और अर्जुन की कहानी है। प्रेम के देवता मदन चित्रा से पूछते हैं कि वह कौन है और उसे क्या परेशान कर रहा है, जिस पर वह जवाब देती है कि वह मणिपुर के राजा की बेटी है। वह महिला के रूप में पैदा होने के बावजूद एक महान योद्धा और नायक है, लेकिन उन्हें कभी भी एक महिला के रूप में जीने का मौका नहीं मिला। जब वह खेल के लिए शिकार कर रही थीं, तब जंगल में योद्धा नायक अर्जुन से

रिद्धिमा में नाटक चित्रा का मंचन करते कलाकार। ● अमृत विचार

● रूबरू थिएटर के कलाकारों ने किया शानदार अभिनय

उसकी मुलाकात हुई थी। चित्रा को उससे प्यार हो गया, लेकिन अर्जुन ने उसके प्यार को ठुकरा दिया। चित्रा देवता से उसे पूर्ण सौंदर्य देने के लिए विनती करती है, ताकि वह अर्जुन पर जीत हासिल कर सके। उसकी विनती सुनकर देवता उसे सुंदरता के साथ साथ अर्जुन के साथ बिताने के लिए एक वर्ष का समय देते हैं। उसकी सुंदरता अब अर्जुन को यह कहने के लिए प्रेरित करती है कि वह अपनी प्रतिज्ञा नहीं निभाएगा। मदन चित्रा को अर्जुन के पास जाने और उसके साथ वर्ष बिताने की सलाह देता है। वर्ष के अंत में जब पूर्ण सौंदर्य का जादू चला जाता है तो अर्जुन सच्ची चित्रा को गले लगाने में सक्षम होगा। चित्रा ऐसा करती है। बहुत समय बीत जाने के बाद, अर्जुन बेचैन होने लगता है और एक बार फिर शिकार करने की लालसा करता है। वह चित्रा से उसके अतीत के बारे में सवाल पूछना शुरू कर देता है, सोचता है कि क्या उसके घर में कोई है जो उसे याद कर रहा है। चित्रा कहती है कि उसका कोई अतीत नहीं है और वह ओस की एक बूंद की तरह क्षणिक है, जो अर्जुन को परेशान करती है। नाटक के अंत में चित्रा ने स्वीकार किया कि वह राजकुमारी है। नाटक में चित्रा और अर्जुन की भूमिका वर्षा और स्पर्श रॉय ने निभाई। शुभम शर्मा, नीरज तिवारी, कृष बब्बर ने भी अपनी भूमिकाओं में न्याय किया। नाटक में रशीद ने मेकअप तो कॉस्ट्यूम और बैंक स्टेज जसकिरण चौपड़ा और गीता सेठी ने संभाला। संगीत संचालन प्रवीण ने किया। चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा, डॉ.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार आदि मौजूद रहे।